

Compensation of Crops Damaged Due to Flood

***12 Chaudhary ABHAY SINGH CHAUTALA , M.L.A.:** Will the Deputy Chief Minister be pleased to state:-

- a) the total acreage of crops damaged due to flood in the State in the month of July this year togetherwith the district-wise and crop-wise details thereof?
- b) The number of applications received e-compensation portal and concerned officers for the compensation of crops damaged due to flood;
- c) Whether any report has been given by the Agriculture Department on the damage caused by flood; if so, the details thereof; and
- d) Whether any compensation has been given to the farmers for the loss of their crops; if so, the rate/percentage of compensation togetherwith the details thereof?

SH. DUSHYANT CHAUTALA, DEPUTY CHIEF MINISTER, HARYANA

- a) Crops in a total of 6,48,222 acres have been damaged as per the claims uploaded on the E-Kshatipurti portal due to floods in July 2023. Crop-wise details are at Annexure 'A' and Disrict-wise details are at annexure 'B'.
- b) A total number of 1,33,625 applications have been received on E- Kshatipurti portal as on 21.08.2023 towards such damage to crops. The claims in these applications shall be verified by the field officials of Revenue Department, i.e., Patwari, Kanungo, CRO, SDM and Deputy Commissioner concerned, before disbursement of the compensation to the applicant.
- c) The Agriculture and Farmers' Welfare Department, Government of Haryana vide letter no. 9426, dated 09.08.2023 has stated as below:-

Question	Reply
(a) Whether paddy farmers in Punjab and Haryana have been affected severely due to heavy rainfall in both the states as 60 percent of their standing paddy is submerged and if so, the details thereof. Districtwise:	The rainfall during the month of July, 2023 has affected the standing Paddy crop in Haryana State. The tentative district wise details of the area affected by the rainfall is attached at Annexure C.
(b) Whether water logging in the paddy fields in Punjab and Haryana is likely to hit paddy yield significantly resulting in lower crop production as both count 20 percent of country total rice production:	In Haryana State, the water logging in the paddy fields is likely to lower the yield of the paddy crop. The significant loss in the production is limited to only few blocks of the state.

(c) If so, the details thereof and its likely impact on prices of rice in coming months:	There may be minor impact on the prices of paddy due to loss in the production of paddy crop in the State.
--	--

- d) To ease the process of submission of claims by affected farmers for their crop damage, the State Government has launched a dedicated portal i.e. <https://ekshatipurti.haryana.gov.in/>. A total no. of 1,33,625 farmers have registered their claims in an area of 6,48,222 acres in the portal. The process of verification of these claims by the field officials of Revenue and Disaster Management Authority is under process. The disbursement of compensation shall be done after completion of the verification as per the norms, following the due procedure prescribed.

बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त फसलों का मुआवजा

*12 चौधरी अभय सिंह चौटाला, एम.एल.ए. ;

क्या उप मुख्यमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:-

क) इस वर्ष जुलाई महीने में राज्य में बाढ़ के कारण कितने एकड़ की फसलें क्षतिग्रस्त/खराब हुईं तथा

उसका जिलेवार तथा फसल-वार ब्यौरा क्या है;

ख) बाढ़ के कारण खराब फसलों के मुआवजे के लिए ई-मुआवजा पोर्टल पर तथा संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों की संख्या कितनी है

ग) क्या बाढ़ के कारण हुए नुकसान पर कोई कृषि विभाग द्वारा कोई रिपोर्ट दी गई है ; यदि हां, तो ब्यौरा क्या है; तथा

घ) क्या किसानों को उनकी फसलों के नुकसान का कोई मुआवजा दिया गया है ; यदि हां, तो मुआवजे की दर/ प्रतिशत क्या है तथा उसका ब्यौरा क्या है?

श्री दुष्यंत चौटाला, उपमुख्यमंत्री, हरियाणा

क) जुलाई 2023 में बाढ़ के कारण ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर अपलोड किए गए दावों के अनुसार कुल 6,48,222 एकड़ में फसलें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। फसल-वार विवरण अनुबंध 'ए' पर हैं और जिले-वारविवरण अनुबंध 'बी' हैं ।

ख) फसलों को हुए ऐसे नुकसान के लिए दिनांक 21.08.2023 तक ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर कुल 1,33,625 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इन आवेदनों के दावों का सत्यापन राजस्व विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों-संबंधित पटवारी, कानूनगो, सीआरओ, एसडीएम और उपायुक्त द्वारा आवेदक को मुआवजा देने से पहले किया जायेगा।

ग) कृषि एवं किसान कल्याण विभागए हरियाणा सरकार के पत्र क्रमांक 9426, दिनांक 09.08.2023 में निम्नानुसार बताया गया है:-

प्रश्न	उत्तर
क) क्या पंजाब और हरियाणा दोनों राज्यों के धान किसान भारी बारिश के कारण गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं क्योंकि उनका 60 प्रतिशत धान पानी में डूब गया है और यदि हां, तो जिलावार ब्यौरा क्या है।	जुलाई, 2023 माह के दौरान हुई वर्षा ने हरियाणा राज्य में धान की खड़ी फसल को प्रभावित किया है। वर्षा से प्रभावित क्षेत्र का अस्थायी जिलावार विवरण अनुबंध सी में संलग्न है।
ख) क्या पंजाब और हरियाणा में धान के खेतों में जल जमाव से धान की उपज पर काफी असर पड़ने की संभावना है , जिसके परिणामस्वरूप फसल उत्पादन में कमी आएगी क्योंकि दोनों प्रदेश के कुल चावल उत्पादन का 20 प्रतिशत उगाते हैं।	हरियाणा राज्य में धान के खेतों में जल जलभराव के कारण धान की फसल की पैदावार कम होने का अनुमान है। उत्पादन में उल्लेखनीय हानि राज्य के कुछ ब्लॉकों तक ही सीमित है।
ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और आने वाले महीनों में चावल की कीमतों पर	राज्य में धान की फसल के उत्पादन में नुकसान के कारण धान की कीमतों पर मामूली प्रभाव पड़ सकता

इसका संभावित प्रभाव क्या होगा:	है।
--------------------------------	-----

- घ) प्रभावित किसानों द्वारा उनकी फसल क्षति के लिए दावे प्रस्तुत करने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए, राज्य सरकार ने एक समर्पित पोर्टल यानी <https://ekshatipurti.haryana.gov.in/> लन्च किया है। पोर्टल पर कुल 1,33,625 किसानों ने 6,48,222 एकड़ क्षेत्र के लिए अपना दावा दर्ज कराया है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारियों द्वारा इन दावों के सत्यापन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। मुआवजे का वितरण निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए मानदंडों के अनुसार सत्यापन पूरा होने के बाद किया जाएगा।